उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा

की

वर्ष 1982-83

की

वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

प्रकाशक :

निदेशक, उच्चतर शिक्षा हरियाणा, चण्डीगढ़ ।

विषय-सूचि

क्र0 सं0	अध्याय शीर्षक		पृष्ठ संख्या
	समीक्षा	..	i—iv
1.	प्रशासन एवं संगठन	..	1—3
2.	सामान्य शिक्षा (महाविद्यालय)	..	4—8
3.	छात्रवृत्तियां तथा अन्य वित्तीय सहायता	..	9—12
4.	विविध	..	13—16

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Aministration
17-B,SriAurbindo Marg,NewDelhi-110016
DOC. No....D-4409....
Date....6/5/88....

NIEPA DC
D04409

REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF HIGHER EDUCATION DEPARTMENT FOR THE YEAR 1982-83.

The development of Higher Education continued at the same pace during the year 1982-83 as in the previous years. There are two universities in the State (1) Kurukshetra University, Kurukshetra. (2) Maharishi Daya Nand University, Rohtak. The number of colleges of general education affiliated to these Universities is 106, in which there is proper arrangement for Higher Education. The number of colleges of general education in 1981-82 was 104. Number of students studying in these colleges was 97777 during the year 1982-83 out of which 69764 were boys and 28013 were girls. The number of scheduled caste students was 6155 out of which 5703 were boys and 452 were girls.

Three new non-Govt. colleges were opened during this period and one non-Govt. college was taken over by Government.

88 new posts of lecturer were created in the year 1982-83 out of which 20 posts were created due to new subjects and 68 posts created due to increased workload.

The Government provides very liberal grants for running the educational programmes in non-government colleges. 95 percent amount of deficit is met by the government, as maintenance grant to non-Govt. colleges. An amount of Rs. 1.88 crore to M.D. University, Rohtak and that of Rs. 2.60 crore to Kurukshetra University, Kurukshetra was provided in the year 1982-83. Rs. 3.29 crore was provided as maintenance grant to Non-Government colleges during the period under report.

An expenditure of Rs. 72.38 lac was incurred benefiting 7200 students under the various scholarship scheme/financial aid given by the Government of India. A sum of Rs. 28.06 lac was spent benefiting 5796 students under the various scholarships schemes and financial aid provided by State Government. In this way Rs. 100.44 lac were spent on 12976 students in the shape of scholarships and other financial aids. Out of this amount a sum of Rs. 79.72 lac was incurred on 10622 scheduled castes students.

Facilities for teachers training were provided in 20 colleges in the State during the year under report in which 1250 boys and 2355 girls got admission. There is proper arrangement of training

in physical education in Agricultural University, Hisar and Kurukshetra University, Kurukshetra. 140 boys and 29 girls got admission for this training.

The N.S.S. programme is being implemented in the State for the development of personality and mind of the students. The number of volunteers under N.S.S. scheme was 15000 in 1982-83. A sum of Rs. 18 lac was provided for this programme. 135 camps were organised by the volunteers of N.S.S. during the period under report and 7579 students participated therein.

The N.C.C. cadets are imparted training in Navy, Military and Air services under N.C.C. Scheme. There are junior divisions for schools students and senior divisions for College students. There are 18 Battalions and 11800 cadets of senior divisions in Haryana. The number of the Battalions of junior divisions is 167 and number of cadets is 16150.

The existing eight district libraries continued to function during the period under report.

The education department remained with Sh. Jagdish Nehra, Education Minister in 1982-83. Smt. Kiran Aggarwal, I.A.S. worked as Education Commissioner and Secretary, Sh. S.P. Bhatia, I.A.S. worked on the post of Joint Secretary and Sh. L.M. Jain, I.A.S. worked on the post of Director.

उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की वर्ष 1982-83 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

वर्ष 1982-83 में भी उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में पिछले वर्षों की भांति सामान्य रूप से विकास होता रहा है। रिपोर्टाधीन अवधि में राज्य में दो विश्वविद्यालय थे--(1) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, (2) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक। वर्ष 1982-83 में इन विश्वविद्यालयों से सम्बन्ध शिक्षा महाविद्यालयों की संख्या 106 थी, जिनमें उच्चतर शिक्षा के लिए समुचित प्रबन्ध है। वर्ष 1982-83 में इन महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या 97777 थी, जिनमें से 69764 लड़के तथा 28013 लड़कियां थीं। अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या 6155 थी जिसमें से 5703 लड़के तथा 452 लड़कियां थीं।

इस अवधि में तीन नये अराजकीय महाविद्यालय खोले गये तथा एक अराजकीय महाविद्यालय सरकारी नियन्त्रण में लिया गया।

वर्ष 1982-83 में 88 नये प्राध्यापकों के पद सृजन किये गये। इनमें से नये विषयों के कारण 20 तथा कार्यभार के कारण 68 पद सृजन किये गये।

अराजकीय महाविद्यालयों में शिक्षा कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार उदारता पूर्वक अनुदान देती है। सरकार द्वारा अराजकीय महाविद्यालयों के घाटे को पूरा करने के लिए, घाटे की 95 प्रतिशत राशि अनुरक्षण अनुदान के रूप में दी जाती है। वर्ष 1982-83 में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक को 1.88 करोड़ और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र को 2.60 करोड़ रुपये की राशि दी गई। अराजकीय महाविद्यालयों को 3.29 करोड़ रुपये अनुरक्षण अनुदान के रूप में दिये गये।

भारत सरकार की विभिन्न छात्रवृतियों एवं वित्तीय सहायता के अन्तर्गत 72.38 लाख रुपये की राशि व्यय की गई तथा 7200 छात्रों को लाभान्वित किया गया। राज्य सरकार की विभिन्न छात्रवृतियों एवं वित्तीय सहायता के अन्तर्गत 28.04 लाख रुपये की राशि व्यय की गई तथा 5776 छात्रों को

लाभान्वित किया गया । इनमें से अनुसूचित जातियों के छात्रों पर 79.72 लाख रुपये व्यय किये गये तथा 10822 छात्रों को लाभ पहुंचा ।

राज्य में रिपोर्टाधीन अवधि में 20 महाविद्यालयों में अध्यापक प्रशिक्षण का प्रबन्ध था जिनमें 1250 लड़के तथा 2353 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया । शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षण देने के लिए कृषि बिश्वविद्यालय, हिसार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में समुचित प्रबन्ध है । वर्ष 1981-82 में 140 लड़के तथा 29 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया।

छात्रों के व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास के लिए राज्य में एन0 एस0 एस0 कार्यक्रम चालू है। वर्ष 1982-83 में एन0 एस0 एस0 योजना के अन्तर्गत स्वयं सेवकों की संख्या 15000 थी। इस वर्ष 1982-83 में इस कार्यक्रम के लिए 18 लाख रुपये की व्यवस्था की गई । रिपोर्टाधीन अवधि में एन0 एस0 एस0 के स्वयं सेवकों द्वारा 135 शिविर लगाये गये तथा 7579 छात्रों ने इन शिविरों में भाग लिया।

एन0 सी0 सी0 स्कीम के अन्तर्गत सेना की तीनों अर्थात् जल, स्थल तथा वायु सेवाओं का प्रशिक्षण राज्य में एन0 सी0 सी0 के कैडिटस को दिया जाता है । विद्यालयों के छात्रों के लिए जूनियर डिवीजन तथा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए सीनियर डिवीजन स्थापित हैं। हरियाणा में सीनियर डिवीजन की 18 बटालियनें तथा 11800 कैडिटस हैं । जुनियर डिवीजन की बटालियनों की संख्या 167 हैं, जिनमें 16150 कैडिटस हैं ।

रिपोर्टाधीन अवधि में हरियाणा राज्य में जिला पुस्तकालयों की संख्या 8 थी।

वर्ष 1982-83 में शिक्षा विभाग श्री जगदीश नेहरा शिक्षा मंत्री जी के पास रहा। शिक्षा आयुक्त एवं सचिव के पद पर श्रीमति किरण अग्रवाल, आई0 ए0 एस0 ने कार्य किया । संयुक्त सचिव के पद पर श्री एस0 पी0 भाटिया, आई0 ए0 एस0 तथा निदेशक के पद पर श्री एल0 एम0 जैन, आई0 ए0 एस0 ने कार्य किया।

अध्याय---पहला

प्रशासन एवं संगठन

1.1 वर्ष 1982-83 में श्री जगदीश नेहरा, राज्य शिक्षा मंत्री के पद पर रहे ।

(क) सचिवालय स्तर पर

रिपोर्टाधीन वर्ष में शिक्षा आयुक्त एवं सचिव के पद पर श्रीमति किरण अग्रवाल रही । संयुक्त सचिव के पद पर श्री एस0 पी0 भाटिया ने कार्य किया। ये दोनों अधिकारी, आई0 ए0 एस0 काडर के हैं। अवर सचिव के पद पर श्री के. जी. वालिया रहे ।

(ख) निदेशालय स्तर पर

निदेशक उच्चतर शिक्षा के पद पर श्री एल0 एम0 जैन, आई0 ए0 एस0 ने कार्य किया तथा निम्नलिखित पदों पर अन्य अधिकारियों ने कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए निदेशक उच्चतर शिक्षा को सहयोग दिया।

1. प्रशासन अधिकारी	एच0 एस0 एस0
2. संयुक्त निदेशक महाविद्यालय	एच0 ई0 एस0
3. उप निदेशक महाविद्यालय	—सम—
4. सहायक निदेशक, एन0सी0 सी0	—सम—
5. सहायक निदेशक, महाविद्यालय	—सम—
6. लेखा अधिकारी महाविद्यालय	—
7. रजिस्ट्रार शिक्षा	—

1.2. विश्वविद्यालय/महाविद्यालय

राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य प्रत्यक्ष रूप में सुचारू प्रशासन तथा उच्च शिक्षा के विकास के लिए निदेशक, उच्चतर शिक्षा के प्रति उत्तरदायी हैं । परन्तु गैरसरकारी महाविद्यालयों का प्रशासन उनकी अपनी प्रबन्ध समितियां

ही चलाती हैं। राज्य में स्थित सभी महाविद्यालय संबंधित विश्वविद्यालयों की शिक्षा नीति को अपनाते हैं।

1.3. शिक्षा पर व्यय

वर्ष 1982-83 में महाविद्यालय शिक्षा पर 1191.31 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। इसमें से योजनेत्तर पक्ष पर 1007.02 लाख रुपये तथा योजना पक्ष पर 184.29 लाख रुपये खर्च हुए। 1981-82 में यह व्यय 1012.29 लाख रुपये था जिसमें से योजनेत्तर 800.76 लाख रुपये तथा योजनागत व्यय 211.53 लाख रुपये था।

1.4. विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को अनुदान

अराजकीय महाविद्यालयों में शिक्षा कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार उदारतापूर्वक अनुदान देती है। अनुरक्षण अनुदान के अन्तर्गत राज्य सरकार अराजकीय महाविद्यालयों को 95 प्रतिशत तक अनुदान देती है। केवल यही नहीं अराजकीय महाविद्यालयों को उनके विकास के लिए भी वित्तीय सहायता समय-समय पर दी जाती रही है। रिपोर्टाधीन वर्ष में विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में शिक्षा एवं शिक्षा विकास कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित अनुदान दिये गये :—

	1981-82 (करोड़ रु0)	1982-83 (करोड़ रु0)
1. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक	2.38	1.88
2. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	2.35	2.60
3. महाविद्यालयों को अनुरक्षण अनुदान	2.31	3.29
अन्य संस्थाओं को वित्तीय सहायता		
1. आई0 सी0 एस0 एन0 आर0 (पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़)	50,000	50,000
2. वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर	5,000	5,000

अराजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को समय पर वेतन दिलाने के उद्देश्य ने क्लेमों के आवेदन पत्र प्राप्त हुए बिना ही (on account) आन एकाउन्ट लगभग 50 प्रतिशत ग्रान्ट की पहली किश्त अप्रैल मास में ही दे दी जाती है। शेष राशि क्लेम प्राप्त होने पर रिलीज कर दी जाती है।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक एक्ट 1975 में संशोधन कराया गया है ताकि यह विश्वविद्यालय यू0 जी0 सी0 की लिस्ट पर आ जाए और यू0 जी0 सी0 से अनुदान का पात्र हो जाए।

अध्याय—दूसरा

सामान्य शिक्षा (महाविद्यालय)

2.1 महाविद्यालयों की संख्या

हरियाणा में दो विश्वविद्यालय हैं। एक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक तथा दूसरा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र। इसके अतिरिक्त हरियाणा में महाविद्यालयों की संख्या 30 सितम्बर की स्थिति अनुसार निम्न प्रकार रही है :—

	1981–82		1982–83	
	लड़के	लडकियां	लड़के	लड़कियां
राजकीय महाविद्यालय	30	1	31	1
अराजकीय महाविद्यालय	52	21	51	23
जोड़	82	22	82	24

2.2 छात्र संख्या

(क) इन महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले कुल छात्रों की संख्या निम्न प्रकार है :—

शिक्षा स्तर	1981–82		1982–83	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
प्री-यूनिवर्सिटी	29973	7943	30734	8283
तीन वर्षीय डिग्री कोर्स	30713	15349	35170	17349

शिक्षा स्तर	1981–82		1982–83	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
एम0 ए0/एम0 एस0 सी0/एम0 कॉम	1956	1457	1923	1566
पी0 एच0 डी0/एम0 फिल	250	110	224	191
अन्य	1711	491	1713	624
जोड़	64603	25350	69764	28013

संस्थाओं अनुसार छात्र संख्या

	1981–82		1982–83	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
राजकीय महाविद्यालय	20251	5439	22725	5910
अराजकीय महाविद्यालय	41558	18918	44365	21029
विश्वविद्यालय	2794	993	2674	1074
जोड़	64603	25350	69764	28013

पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त में हरियाणा में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 75543 थी और अब वर्ष 1982–83 में छात्र संख्या 97777 हो गई है।

(ख) महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या :—

	1981–82		1982–83	
शिक्षा स्तर	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
प्री–यूनिवर्सिटी	2809	82	2917	172
तीन वर्षीय डिग्री कोर्स	2066	170	2500	241
एम0 ए0/ एम0 एस0 सी0/एम0 कॉम	161	14	145	14
पी0 एच0 डी0/एम0 फिल	3	1	3	—
अन्य	167	3	138	25
जोड़	5206	270	5703	452

संस्थाओं अनुसार छात्र संख्या

	1981–82		1982–83	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
राजकीय महाविद्यालय	1846	70	2163	87
अराजकीय महाविद्यालय	3153	187	3349	355
विश्वविद्यालय	207	13	191	10
जोड़	5206	270	5703	452

पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त में हरियाणा में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों में अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या 3740 थी जो बढ़कर वर्ष 1982–83 में 6155 हो गई है।

2.3. नये महाविद्यालयों को खोलना तथा अराजकीय महाविद्यालयों को सरकारी नियंत्रण में लेना।

(क) रिपोर्टाधीन अवधि में निम्नलिखित अराजकीय महाविद्यालय खोले गए :—

(1) संत मोहन सिंह खालसा कालेज, बराड़ा (अम्बाला)।

(2) दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

(3) हिन्दू महिला महाविद्यालय, सोनीपत।

(ख) रिपोर्टाधीन अवधि में एक महाविद्यालय हरियाणा (बेरी) रोहतक की सरकार द्वारा अपने नियंत्रण में लिया गया।

2.4. राजकीय महाविद्यालयों में नये विषयों की कक्षाओं को चालू करना

वर्ष 1982–83 में उच्च शिक्षा की सुविधाओं के विस्तार हेतु राजकीय महाविद्यालयों में उनके सम्मुख दिये गये निम्नलिखित विषयों की कक्षाएं आरम्भ की गई।

महाविद्यालयों के नाम	विषय/कक्षाएं
1. राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद	एम० ए० पार्ट (I) अंग्रेजी
2. राजकीय महाविद्यालय, नाहड़	वाणिज्य (प्रैप), गणित (प्रैप) तथा टी० डी० बी०–I
3. राजकीय महाविद्यालय, नलवा	वाणिज्य (प्रैप)
4. राजकीय महाविद्यालय, घरौण्डा	वाणिज्य (प्रैप)

5. राजकीय महाविद्यालय, भिवानी	पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (टी0 डी0 सी0–I)
6. राजकीय महाविद्यालय, बावल	भूगोले (प्रैप) तथा टी0 डी0 सी0–I
7. राजकीय महाविद्यालय, बहादुरगढ़	सेना विज्ञान (प्रैप) तथा टी0 डी0 सी0–I
8. राजकीय महाविद्यालय, जटोली हेलीमण्डी	चिकित्सा विज्ञान (प्रैप) तथा प्री-मैडिकल), गैर चिकित्सा विज्ञान (प्रैप) तथा प्री-इंजीनियरिंग
9. राजकीय महाविद्यालय, करनाल	एम0 ए0 संगीत (वोकल)
10. राजकीय महाविद्यालय, सिरसा (रात्री)	एम0 ए0 अर्थशास्त्र

2.5. प्राध्यापकों के नये सृजन किये पदों की संख्या

वर्ष 1982–83 में प्राध्यापकों के निम्न अनुसार पद सृजन किये गये :–

1. नये विषय आरम्भ करने के कारण	20
2. कार्यभार के कारण	68

2.6 सह शिक्षा

हरियाणा राज्य में लड़कों के सभी महाविद्यालयों में लड़कियों को भी पढ़ने की अनुमति है।

———

अध्याय—तीसरा

छात्रवृत्तियां तथा अन्य वित्तीय सहायता

3.1 योग्य विद्यार्थियों को शिक्षा के भिन्न-2 स्तरों पर शिक्षा प्राप्ति के लिए राज्य तथा भारत सरकार की भिन्न-2 स्कीमों के अन्तर्गत अनेक प्रकार की छात्रवृत्तियां तथा वित्तीय सहायता दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति तथा पिछड़ी जाति के छात्रों को भी शिक्षा प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनेक प्रकार की छात्रवृत्तियां तथा वित्तीय सहायता दी जाती है।

3.2 भारत सरकार राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना

महाविद्यालयों में पढ़ने वाले योग्य छात्रों को उत्साहित करने के लिए इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 1982-83 में 988 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गई। इन छात्रवृत्तियों पर 13.07 लाख रुपये की राशि व्यय की गई। वर्ष 1981-82 में इस स्कीम के अधीन 1080 छात्रवृत्तियों पर 12.88 लाख रुपये की राशि व्यय की गई थी। वर्ष 1982-83 में छात्रवृत्तियों के कम होने का कारण यह है कि जिन छात्रों ने छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन-पत्र दिये थे उनमें से कुछ छात्रों के अभिभावकों की आय निर्धारित सीमा से अधिक हो गई थी।

वर्ष 1982-83 में राशि अधिक होने का कारण यह है कि इस वर्ष जिन छात्रों ने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र दिये थे उनमें से छात्रावास में रहने वाले छात्रों की संख्या 1981-82 से अधिक थी।

3.3 राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना :

इस स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1982-83 में 734 हरियाणवी योग्य छात्रों को मैट्रिक उपरान्त उच्च शिक्षा की संस्थाओं में पढ़ने के लिए योग्यता

छात्रवृत्तियां दी गई तथा छात्रवृत्ति के रूप में 4 61 लाख रुपये की राशि छात्रों में वितरित की गई। इस स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में 750 छात्रवृत्तियों पर 4 51 लाख रुपये की राशि व्यय की गई।

3.4 राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति योजना

इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा गरीब माता-पिता के योग्य छात्रों को जो कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हैं, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति ऋण के रूप में दी जाती है। वर्ष 1982-83 में 124 छात्रों को 0 89 लाख रुपये की राशि ऋण के रूप में वितरित की गई। वर्ष 1981-82 में 227 छात्रों को 1.65 लाख रुपये की राशि वितरित की गई।

3.5 राज्य हरिजन कल्याण योजना अधीन अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्ग के छात्रों को सुविधाएं

अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राओं की शैक्षणिक, व्यवसायिक तथा तकनीकी शिक्षा के लिए विशेष सुविधाएं तथा वित्तीय सहायता दी जाती है। निःशुल्क शिक्षा और छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है।

पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राओं को विभिन्न कक्षाओं और कोर्सों में पढ़ने हेतु 30/- रुपये मासिक दर से लेकर 70/- रुपये की मासिक दर तक वजीफे/छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। वर्ष 1982-83 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पिछड़े वर्ग के लगभग 4684 छात्र/छात्राओं को 21.30 लाख रुपये की छात्रवृत्तियां/वजीफे दिए गए। इस राशि में से पिछड़े वर्ग के छात्रों की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की गई। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में 4168 छात्र/छात्राओं को 21. 28 लाख रुपये की राशि की छात्रवृत्तियां/वजीफे दिये गये, जिसमें से पिछड़े वर्ग के छात्रों की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की गई।

3.6 भारत सरकार की मैट्रिक उपरान्त अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं की छात्रवृत्ति योजना

इस स्कीम के अन्तर्गत मैट्रिक उपरान्त शिक्षा संस्थाओं में भिन्न-2 कोर्सों में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों के छात्र/छात्राओं की 40 रुपये से लेकर 200 रुपये मासिक दर से छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। वर्ष 1982-83 में इस स्कीम के अन्तर्गत 6130 छात्र/छात्राएं लाभान्वित हुई तथा 58.42 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। वर्ष 1981-82 में इस योजना के अन्तर्गत 6003 छात्र/छात्राओं के लिए 57.25 लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी। ये छात्रवृत्तियां उन छात्र/छात्राओं को दी जाती हैं जिनके माता-पिता/संरक्षकों की अधिकतम कुल वार्षिक आय 9000 रुपये है। अनिवार्य रूप से दी जाने वाली निःशुल्क शिक्षा के अन्तर्गत छात्रों के कक्षा शुल्क तथा परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है।

3.7 विमुक्त जाति के बच्चों को छात्रवृत्ति

विमुक्त जाति के बच्चों को स्कूल तथा महाविद्यालय स्तर पर छात्रवृत्ति देने के लिए अलग से विमुक्त जाति कल्याण योजना चल रही है। वर्ष 1982-83 में इस परियोजना के लिए 93000 रुपये की व्यवस्था की गई और लगभग 2000 छात्रों को लाभ पहुंचा। वर्ष 1981-82 में इस योजना के लिए 43000/- रुपये की व्यवस्था की गई थी तथा 900 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया।

3.8 न्यून आय वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियां

इस स्कीम के अन्तर्गत मैट्रिक उपरान्त शिक्षा के लिए 2000/- या इससे कम आय वर्ग के माता-पिता के बच्चों को 22/- रुपये से लेकर 65/- रुपये मासिक दर से छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षा शुल्क, अन्य अनिवार्य फण्ड तथा परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है। वर्ष 1982-83 में इस स्कीम के अन्तर्गत 1.22 लाख रुपये की राशि खर्च की गई तथा 158 छात्रों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 1981-82 में इस स्कीम के

अन्तर्गत 1.20 लाख रुपये की राशि खर्च की गई तथा 145 छात्रों को लाभान्वित किया गया ।

3.9. उपरोक्त दी छात्रवृत्तियां संक्षेप में निम्न प्रकार हैं

छात्रवृत्ति योजना	लाभान्वित छात्रों की संख्या		व्यय की गई राशि (लाख रुपयों में)	
	1981-82	1982-83	1981-82	1982-83
1. भारत सरकार राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	1080	988	12.88	13.07
2. राज्य योग्यता छात्रवृत्ति	750	734	4.51	4.61
3. राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति	227	124	1.65	0.89
4. हरिजन कल्याण निगम योजना अधीन छात्रवृत्ति	4168	4684	21.28	2130
5. भारत सरकार मैट्रिक उपरान्त अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति	6003	6138	57.25	58.42
6. विमुक्त जाति के छात्रों की छात्रवृत्ति	900	2000	.43	.93
7. न्यून आय वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति	145	158	1.20	1.22

अध्याय—चौथा

अध्यापक प्रशिक्षण

4.1 वर्ष 1982–83 में भिन्न भिन्न वर्गों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए राज्य में निम्नलिखित पाठ्यक्रम की सुविधाएं उपलब्ध थीं :–

(क) एम0 एड0 कक्षाएं

राज्य में एम0 एड0 की कक्षाएं सोहन लाल शिक्षा महाविद्यालय, अम्बाला, राव बीरेन्द्र सिंह शिक्षा महाविद्यालय, रिवाड़ी तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में उपलब्ध रही। इन तीनों संस्थाओं में वर्ष 1982–83 में 50 लड़के तथा 51 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया। वर्ष 1981–82 में इन छात्रों की संख्या 48 लड़के तथा 63 लड़कियां थी।

(ख) बी0 एड0 कक्षाएं

रिपोर्टाधीन अवधि में शिक्षा महाविद्यालयों की संख्या 20 थी, जिनमें बी0 एड0 प्रशिक्षण अध्यापकों की कक्षाएं चालू थी। इन सभी महाविद्यालयों में 1200 लड़के एवं 2302 लड़कियों ने बी0 एड0 की कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया। वर्ष 1981–82 में इन छात्रों की संख्या 1233 लड़के एवं 2144 लड़कियां थी।

(ग) शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण

शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षण देने के लिए शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, हिसार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में समुचित प्रबन्ध हैं। वर्ष 1982–83 में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण के लिए स्नातकोत्तर स्तर पर 20 लड़के तथा 10 लड़कियों ने और स्नातक स्तर पर 120 लड़के और 19 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया। वर्ष 1981–82 में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण के लिए

स्नातकोत्तर स्तर पर 15 लड़के तथा 10 लड़कियों ने और स्नातक स्तर पर 126 लड़के तथा 20 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया था ।

(घ) बी० एड० एवं ओ० टी० प्रशिक्षण कक्षाएं

वर्ष 1982–83 में सरकार/विभाग ने निम्न संस्थाओं में डिप्लोमा इन ऐजु० तथा ओ०टी० प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया :—

संस्था का नाम	प्रशिक्षण कोर्स
1. राजकीय जे०बी०टी० स्कूल, मोडा	डी० एड०
2. राजकीय जे० बी०टी० स्कूल, फिरोजपुर नमक	डी० एड०
3. राव बीरेन्द्र सिंह शिक्षण महाविद्यालय, रिवाड़ी	ओ० टी० पंजाबी तथा संस्कृत
4. महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय, डबवाली	ओ० टी० हिन्दी
5. रूरल शिक्षा महाविद्यालय, कैथल	ओ० टी० पंजाबी
6. डी० ए० वी० शिक्षा महाविद्यालय, करनाल	ओ० टी० संस्कृत
7. गांधी आदर्श महाविद्यालय, समालखा	ओ० टी० हिन्दी
8. जनता कालेज, कौल	ओ० टी० हिन्दी
9. डी० ए० वी० शिक्षा महाविद्यालय, हसनगढ़	ओ० टी० हिन्दी
10. राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, भिवानी	ओ० टी० संस्कृत

वर्ष 1981–82 में उपरोक्त प्रशिक्षण बन्द रहा था ।

5.2 एन० एस० एस०

विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय स्तर पर छात्रों के व्यक्तित्व और

बौद्धिक विकास के लिए भारत सरकार की सहायता से हरियाणा राज्य में एन० एस० एस० कार्यक्रम चालू है। वर्ष 1982–83 में एन० एस० एस० योजना के अन्तर्गत स्वयं सेवकों की संख्या 15000 थी। इस प्रोग्राम के लिए वर्ष 1982–83 में विभाग के बजट में 18 लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी। इस समय यह प्रोग्राम हरियाणा में स्थित तीनों विश्वविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से संबंधित 115 महाविद्यालयों में चल रही है। वर्ष 1981-82 में विभाग के बजट में इस कार्यक्रम के लिए 16.80 लाख रुपये की व्यवस्था थी।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए एन० एस० एस० के स्वयं सेवक विशेष सहयोग देते हैं। ग्रामीण जनता उत्थान हेतु यूथ फार रूरल रिकंस्ट्रक्शन अभियान के अधीन हरियाणा राज्य में वर्ष 1982–83 में 135 शिविर लगाये गये। इन शिविरों में से 65 शिविर रोहतक विश्वविद्यालय द्वारा, 64 शिविर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा तथा एक शिविर कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा लगाया गया। इन शिविरों में से कुछ शिविर मलीन बस्तियों में लगाये गये। 7579 छात्रों ने इन शिविरों भाग लिया। इन शिविरों में मुख्यता निम्नांकित कार्यक्रमों पर कार्य किया गया :—

1. Education and Recreation including Adult Education.
2. Slum Clearance.
3. Health and Family Welfare and Nutrition Programme.
4. Production oriented programme.
5. Social Service in Welfare Institution.
6. Work during Emergency.
7. Importance of Sanitation.
8. Importance of the Status of Women.
9. Eradication of dowry and other Social evils
10. Plantation of trees.

4·3 एन० सी० सी०

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा बनाए गये नियमों के अनुसार

एन0 सी0 सी0 स्कीम के अन्तर्गत सेना की तीनों अंगों जल, स्थल तथा वायु सेवाओं का प्रशिक्षण राज्य में एन0 सी0 सी0 के कैडिट्स को दिया जाता है। विद्यालयों के छात्रों के लिए जूनियर डिविजन स्थापित किये हुए हैं तथा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए सीनियर डिवीजन स्थापित किए हुए हैं। छात्र अपनी स्वेच्छा से एन0 सी0 सी0 प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, अनिवार्य रूप से नहीं। इस परियोजना को चलाने का कार्य भारत सरकार तथा राज्य सरकार मिलकर करती हैं। वर्ष 1982–83 में एन0 सी0सी0 स्कीम को चलाने हेतु 62.99 लाख रुपये की व्यवस्था की गई। हरियाणा एन0 सी0 सी0 कार्यक्रम की स्थिति निम्न प्रकार है :–

	बटालियन की संख्या	कैडिटस की स्वीकृत संख्या
सीनियर डिवीजन		
इन्फैन्टरी बटालियन (लड़कों के लिए)	12	9600
इन्फैन्टरी बटालियन (लड़कियों के लिए)	2	1600
वायु स्कवड्रन	2	400
जल विंग यूनिट	2	200
ग्रुप हैडक्वार्टरज़	2	—
जूनियर डिवीजन		
आर्मी विंग (लड़कों के लिए)	138	13350
आर्मी विंग ट्रुप (लड़कियों के लिए)	10	1000
जल विंग	8	1350
वायु विंग	14	450

4.4 जिला पुस्तकालयों की संख्या

रिपोर्टाधीन अवधि में कोई भी नया पुस्तकालय नहीं खोला गया। इस समय हरियाणा में जिला पुस्तकालयों की संख्या 8 है।

18515—DPI—H.G.P., Chd.